सेंट एण्ड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२३-२०२४

कक्षा:-7	विषय: हिंदी	पाठ:2

कक्षा 7

पाठ 2 (ज़िंदादिली इसी का नाम है)

मौखिक प्रश्न

उत्तर १) चिट्ठी के नीचे संपादक महिपाल सिंह के हस्ताक्षर थे।

उत्तर २) अखिलेश शर्मा लेखक थे।

उत्तर ३) लेखक महिपाल सिंह के कंधे तक कटे हुए दाएंँ हाथ को देखकर आश्चर्यचकित हो गए।

उत्तर ४) संपादक महोदय ने चालीस वर्ष की उम्र तक फ़ौज में नौकरी की।

उत्तर ५) संपादक महोदय की इतनी सुंदर लिखावट अभ्यास से हुई।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर १) लेखक संपादक महोदय की लिखावट से बहुत प्रभावित हुए हर अक्षर ऐसा प्रतीत होता था मानो साँचे में ढला हो।

उत्तर २) संपादक महोदय लेखक से कभी कविता माँगते थे और कभी कहानी माँगते थे ।लेखक बार-बार उनकी साहित्य संबंधी इच्छाओं की पूर्ति कर दिया करता था। जिसका परिणाम यह हुआ कि दोनों के मन में एक- दूसरे के प्रति मित्रता का भाव पैदा हो गया ।

उत्तर३) लेखक को संपादक महोदय से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ जब लेखक को संपादक महोदय के शहर में किसी के विवाह में सम्मिलित होने के लिए जाना पड़ा।

उत्तर ४) संपादक महोदय ने लेखक को दोनों हाथों के गुण बताते हुए कहा कि जो गुण दाएंँ हाथ में होता है वही बाएँ हाथ में भी होता है यह तो व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह किस हाथ से काम करता है।

उत्तर ५) संपादक महोदय की लिखावट की यात्रा टेढ़ी-मेढ़े अक्षर, दूर-दूर अक्षर से शुरू होकर, फिर सुधरे हुए और फिर गोल-गोल सुंदर अक्षर तथा साँचे में ढले हुए अक्षर पर समाप्त हुई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर १) संपादक महोदय ने लेखक को अपना दायाँ हाथ न होने का यह कारण बताया कि जब वे फौज में थे ।तो उन्हें एक मोर्चे पर जाना पड़ा। एक दिन जब वे शत्रु को अपनी गोलियों का निशाना बना रहे थे, तो पास ही एक बम फटा और उसका दाहिना हाथ कंधे तक उड़ गया।

उत्तर २) संपादक महोदय फ़ौज में थे। एक बम फटने के कारण उनका दाहिना हाथ कंधे तक उड़ गया।

उत्तर २) सेवा में मुक्त होने के पश्चात संपादक महोदय ने कुछ पढ़ाई -लिखाई की और एक अखबार निकालने का काम शुरू कर दिया।

उत्तर ३) 'रसरी आवत जात ते सिल पर परत- निशान' का अर्थ है कि जिस प्रकार रस्सी के बार-बार आने -जाने से पत्थर पर भी निशान पड़ जाते हैं अर्थात् बार-बार अभ्यास करने से असंभव को भी संभव किया जा सकता है। इस पाठ में भी दाएँ हाथ के न रहने पर महिपाल सिंह ने अपने अभ्यास से अपनी लिखाई बहुत सुंदर कर दी अर्थात् असंभव कार्य को भी संभव कर दिखाया।

उत्तर ४) बत्तीस पृष्ठ के साप्ताहिक अख़बार में लेखक को गाँव और किसानों की जानकारी के लिए छपी बातें पढ़ने को मिलीं। बड़े सुंदर ढंग से सात दिनों के समाचार छाँट - छाँटकर छापे

गए थे। इसका यह परिणाम हुआ कि लेखक उनके अख़बार के लिए संपादक महोदय को लगातार कविता या कहानी भेजने लगे।

उत्तर ५) संपादक महोदय से मिलने पर लेखक यह सोचकर हैरान थे कि जिस लिखावट में उन्हें पत्र मिलते थे, क्या वे इन्हीं महोदय के लिखे हुए थे, क्या वे बाएँ हाथ से इतना सुंदर लिख सकते हैं। यही नहीं, वे बड़े खुश और स्वस्थ दिखाई दे रहे थे।

स्मरण शक्ति अवलोकन

1 क ii

ख i

ग ii

2.(क) ये पंक्तियाँ कहने वाले लेखक अखिलेश शर्मा जी हैं और सुनने वाले संपादक महोदय महिपाल सिंह हैं।

(ख) इन पंक्तियों में वक्ता के आश्चर्य का भाव व दर्शाया गया है।

(ग) जब लेखक ने संपादक महोदय का कंधे तक कटा हुआ दायाँ हाथ देखा ।वही संपादक महोदय जिनकी अति सुंदर लिखावट में, लेखक को पत्र मिलते थे।

3.क) x

सही -संपादक महोदय बत्तीस पेज का साप्ताहिक अख़बार निकालते थे।

ख) ✓

ग) संपादक महोदय का दाहिना हाथ फ़ौज में एक बम फटने के कारण कट गया था।

घ) ✓

भाषिक ज्ञान

1. क) चुपचाप

ख) आस -पास

ग) ध्यानपूर्वक

घ) प्रतिदिन

2. सुबह के दस बज रहे थे ।मुझे डाक से एक चिट्ठी मिली। मैं चिट्ठी पढ़ने लगा, "कृपा करके मेरे अख़बार के लिए एक कविता भेज दीजिए। चिट्ठी के नीचे संपादक के हस्ताक्षर थे। संपादक का नाम महिपाल सिंह था। चिट्ठी ने मेरे मन को अपनी ओर खींच लिया।

3. क) उदर - पेट

उदार- बड़े दिलवाला

ख) चिर- जो बहुत दिनों तक बना रहे

चीर - कपड़ा

ग) प्रणाम -नमस्कार

प्रमाण - सबूत